राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
(भारत सरकार का एक विधिक संस्थान)

गुरुर्गुरुतमो धाम
NCTE

National Council for Teacher Education
(A Statutory Body of the Government of India)

By E-mail / Hand / Speed Post/Fax

फा.सं. एनसीटीई–राज007/1/2021–ओ/ओ यूएस (रा.भा.)–मु./115827 दिनांकः–14.12.2022

सेवा में

संयुक्त निदेशक (रा.भा.),
शिक्षा मंत्रालय,
स्कूल शिक्षा तथा साक्षरता विभाग,
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली–110001

विषय :– हिन्दी पखवाड़ा आयोजन का प्रतिवेदन।

महोदय,

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् में 14 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2022 तक हिन्दी पखवाड़े का भव्य आयोजन किया गया था, तत्सम्बन्धी सचित्र रिपोर्ट (संलग्न) सूचनार्थ प्रेषित की जा रही है, अवलोकन करने की कृपा करें।

सादर

भवदीय

संलग्नक :– उपरोक्तानुसार

(एच. के. शर्मा)
उप सचिव (रा.भा.)
14/12/2022

प्रतिलिपिः

115828
1. श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय–1(दिल्ली), तृतीय तल, त्रिकुट–II, भीकाजी कामा प्लेस, आर के पुरम, नई दिल्ली–110066
2. अध्यक्ष के अनुभाग अधिकारी, रा.अ.शि.प., जी–7, सेक्टर–10, द्वारका, नई दिल्ली – 110075
3. सदस्य सचिव के अनुभाग अधिकारी, रा.अ.शि.प., जी–7, सेक्टर–10, द्वारका, नई दिल्ली – 110075

हिन्दी पखवाड़ा आयोजन–2022

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् मुख्यालय में 14 सितम्बर से 28 सितम्बर 2022 तक हिन्दी पखवाड़े का सफल आयोजन किया गया। यह परिषद् मुख्यालय और चारों क्षेत्रीय समितियों का एक संयुक्त कार्यक्रम था, जिसमें सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का भरपूर योगदान रहा। 14 सितम्बर यानी हिन्दी दिवस के अवसर पर भारत सरकार के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी डा. प्रदीप कुमार, मुख्य अतिथि तथा परिषद् के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया और सरस्वती वन्दना के साथ हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस समारोह में सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। सर्वप्रथम श्री परविन्दर सिंह नोडल अधिकारी (रा.भा.) द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय कराया गया तथा समारोह की भूमिका से अवगत कराया गया। तत्पश्चात श्रीमती पूजा शर्मा, उपसचिव ने मुख्य अतिथि वक्ता का पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया।

सर्वप्रथम श्री नवीन मलिक, क्षेत्रीय निदेशक (प.क्षे.स.) तथा अवर सचिव (रा.भा.) ने हिन्दी राजभाषा के व्यावहारिक पहलुओं पर कार्य करने हेतु सभी को प्रेरित व प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा के साथ–साथ देश की सम्पर्क भाषा भी है, क्योंकि विभिन्न प्रदेशों के अलग–अलग भाषा–भाषी पारस्परिक वार्तालाप हिन्दी में ही करते हैं चाहे वह दक्षिण भारत का हो, या पश्चिम बंगाल का हो, वे अपना सम्प्रेषण हिन्दी बोल कर ही करते हैं। हिन्दी के प्रचार–प्रसार में फिल्म जगत तथा मीडिया का सबसे अधिक योगदान है। श्री नवीन मलिक ने अपने सम्बोधन में सबसे आग्रह किया कि हिन्दी पखवाड़े के दौरान सभी कार्यालयीन कार्य केवल हिन्दी में ही किए जाएं।

हिन्दी दिवस के अवसर पर केन्द्रीय दूरसंचार मंत्रालय से डा. प्रदीप कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने ''हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा की उपयोगिता'' विषय पर अपने सारगर्भित व्याख्यान में बताया कि अपनी भाषा के विकास एवं प्रचार–प्रसार के लिए हमारे देश में ही हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है। विश्व के किसी अन्य देश में अपनी भाषा के उत्थान के लिए कोई भाषा दिवस नहीं मनाया जाता है। भारत एक बहु–भाषी देश है जहां हर क्षेत्र में अलग–अलग भाषाएं बोली जाती हैं। सभी भारतीय भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। अतः भारत की मुख्य भाषाओं में संस्कृत के तत्सम शब्द अधिक मिलते हैं। उन्होंने हिन्दी की अनेक कविताओं के उदाहरण देकर हिन्दी राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन से हम अपने अधिकारियों/कर्मचारियों में हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने की जागरूकता का समावेश करते हैं।

मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में कहा कि कार्यालय में उपयोग में आने वाली हिन्दी भाषा अत्यन्त सरल तथा बोधगम्य होनी चाहिए। क्लिष्ट और कठिन शब्दों का प्रयोग नहीं होना चाहिए। बोलचाल की भाषा को सभी समझते हैं, इसलिए किसी अहिन्दी भाषी को इसे समझने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए। हिन्दी दिवस व हिन्दी पखवाड़े के दौरान जो कार्यक्रम आयोजित किए जाते है, उनसे हमें प्रेरणा और प्रोत्साहन मिलता है। हमारे संविधान में हिन्दी को राजभाषा के रूप में इसीलिए अपनाया गया, क्योंकि यह भारत के बहुत बड़े क्षेत्र की मातृभाषा है। हिन्दी में विपुल साहित्य और शब्द भंडार विद्यमान है। अनेक आंचलिक बोलियों में भी हिन्दी का ही समावेश अधिक है। उन्होंने अनेक रोचक उदाहरणों के माध्यम से व्याख्यान को बहुत ही सरल और सुगम बनाया है। व्याख्यान के निष्कर्ष में डा. प्रदीप कुमार ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को अपनी हिन्दी भाषा में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रेरित व प्रोत्साहित कर कार्य करने हेतु प्रेरित व प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि वक्ता के व्याख्यान के पश्चात् श्री परविन्दर सिंह, नोडल अधिकारी ने मुख्य अतिथि वक्ता का साभार जताया और कहा कि आज हिन्दी दिवस के समारोह के साथ ही हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ हो गया है। उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के कार्यक्रमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। अंत में श्री नवीन मलिक, अवर सचिव (रा.भा.) द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर समारोह का समापन किया गया।

दिनांक 16.09.2022 को सायं 3:00 बजे '**आशुभाषण प्रतियोगिता'** आयोजित की गयी, जिसमें मुख्यालय तथा क्षेत्रीय समितियों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया। इस प्रतियोगिता की प्रमुख निर्णायक एवं अतिथि वक्ता श्रीमती सुमन लाल, पूर्व–संयुक्त निदेशक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार थीं। उन्होंने अपने सारगर्भित व्याख्यान में हिन्दी राजभाषा में अधिकाधिक कार्य करने हेतु सबको प्रेरित व प्रोत्साहित किया और कहा कि हमें संविधान के प्रावधानों का अनुपालन आवश्यक रूप से करना है, जिसमें हिन्दी राजभाषा का सम्वर्धन और कार्यान्वयन सम्मिलित है। प्रतियोगिता सुचारू रूप से सम्पन्न हुई और परिणाम भी तत्काल घोषित किए गये।

दिनांक 19.09.2022 को सायं 03:00 बजे **'हिन्दी प्रश्नोत्तरी (क्वीज) प्रतियोगिता'** का शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक के रूप में अतिथि वक्ता श्रीमती स्नेहलता, पूर्व–उपनिदेशक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार को आमंत्रित किया गया था। अपने व्याख्यान में श्रीमती स्नेहलता जी ने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह पखवाड़ा हिन्दी का एक राष्ट्रीय पर्व है तथा इस पर्व को हम सभी हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं, जिससे हमें अपनी भाषा के उपयोग के लिए नयी ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है, कार्यालय में हिन्दी में कार्य करना हमारा स्वाभिमान है, अतः इस स्वाभिमान को सदैव बनाए रखने की आवश्यकता है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मौखिक रूप से आयोजित हुई, जो बहुत ही रोचक और आकर्षक रही। अनेक अधिकारियों/कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया। अंत में परिणाम भी घोषित किए गये।

दिनांक 21.09.2022 को सांय 03:00 बजे **'हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता'** सम्पन्न की गई। इस प्रतियोगिता में मुख्य वक्ता एवं निर्णायक के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व–सहायक महानिदेशक (रा.भा.) श्री रोशन लाल जी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अपने व्याख्यान में अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि राजभाषा कार्यों में उनका 37 वर्ष का लम्बा अनुभव रहा है। कार्यालय में हिन्दी में कार्य करने की दृढ इच्छा शक्ति को जागृत करते हुए यह कार्य कठिन नहीं है। अपनी भाषा में जितनी सुन्दर और सटीक अभिव्यक्ति होती है, वह किसी अन्य भाषा में नहीं हो सकती। तत्पश्चात प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने इस प्रतियोगिता में उत्साह से भाग लिया। मुख्य निर्णायक के रूप में श्री रोशन लाल जी ने अपनी भूमिका को सुचारू रूप से निभाया और परिणाम सूची प्रस्तुत की।

दिनांक 23.09.2022 को सायं 03:00 बजे **'हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की ऐसोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी) डा. सविता गौतम थीं। उन्होंने अपने सारगर्भित व्याख्यान में हिन्दी राजभाषा अनुप्रयोग के बारे में विस्तार से चर्चा की और कहा कि हिन्दी हमारी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा है जो सारे देश की सम्पर्क भाषा बन गयी है। अपनी भाषा में कार्य करना बहुत सरल है, बस थोड़ी सी शुरूआत करनी है। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में सरल व सुबोध यानी बोलचाल के शब्दों के प्रयोग पर जोर दिया। तत्पश्चात निबंध प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। इसमें तीन विषयों में से एक विकल्प चुन कर निबंध – लेखन करना था। इस प्रतियोगिता में भी कार्यालय के अनेक अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया तथा मुख्य निर्णायक द्वारा तत्काल परिणाम भी तैयार किए गये।

दिनांक 26.09.2022 को सायं 03:00 बजे केवल एम.टी.एस. कर्मियों (संविदागत कर्मियों सहित) के लिए **'श्रुतलेखन प्रतियोगिता'** आयोजित की गयी। इसमें प्रतिभागियों को एक अनुच्छेद का श्रुतलेखन, 25 शब्दों का वर्तनी लेखन तथा कुछ प्रचलित पर्यायवाची व विलोम शब्दों का लेखन कार्य दिया गया। एम. टी.एस. कर्मियों ने इसमें हर्षोल्लास के साथ भाग लिया।

दिनांक 27.09.2022 को सायं 03 बजे **'स्व–रचित कविता पाठ प्रतियोगिता'** का शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के सेवानिवृत वैज्ञानिक एवं कवि डा. जसवीर सिंह जी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि उन्होंने अपने सेवाकाल में विषाणु विज्ञान पर शोधकार्य किया है, जिसमें समस्त कार्य अंग्रेजी में ही होता रहा किन्तु हिन्दी कविताओं में उनकी व्यक्तिगत रूचि पहले से ही रही है, इसलिए उन्होंने बहुत सी कविताओं की रचना भी की है। उन्होंने अनेक प्रासंगिक विषयों को अपनी कविताओं में अभिव्यक्त किया। उनके सुरीले कंठ से कविता गायन से सभी श्रोतागण बहुत प्रभावित हुए। स्व–रचित कविता पाठ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई, जिसमें अनेक अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति की। अंत में परिणाम भी घोषित किए गये।

दिनांक 28.09.2022 को हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर दयाल सिंह कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डा. रामाशंकर कुशवाहा को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। डा. कुशवाहा ने **'हिन्दी हमारा गौरव – इसके प्रयोग की चुनौतियां और संभावनाएं'** विषय पर सारगर्भित व्याख्यान की प्रस्तुति की। उन्होंने हिन्दी भाषा और इसके विपुल साहित्य भंडार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी भाषा में संस्कृत के शब्दों के साथ–साथ आम भाषाओं के शब्दों को भी समायोजित किया गया, जिसके फलस्वरूप हिन्दी का शब्द भंडार बहुत विशाल हो गया है।

दिनांक 29.09.2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे अध्यक्ष, रा.अ.शि.प. तथा सदस्य सचिव, रा.अ.शि.प. के सानिध्य में **पुरस्कार वितरण समारोह** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को अध्यक्ष महोदय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा निर्धारित पुरस्कार राशि इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के माध्यम से उनके बैंक खातों में डाल दी गयी। इस प्रकार 18 पुरस्कार, जिसमें 6–6 क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गये तथा कुछ प्रोत्साहन पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र दिए गये। पुरस्कार राशि प्रत्येक में क्रमशः 5,000/–रु., 3,000/–रु. तथा 2,000/–रु. निर्धारित थी।

अंत में अध्यक्ष महोदय ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा कहा कि जितने उत्साह से आप सब ने प्रतियागिताओं में भाग लिया, उसी उत्साह के साथ अपने ज्ञान का सदुपयोग कार्यालयीन कार्यों में भी किया जाय। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन किया गया।